उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: जनवरी, 2019

दूरस्थ शिक्षा का संवर्द्धन

हिन्दू नेशनल इन्टर कालेज, लक्ष्मण चौक, देहरादून में दिनांक 3 जनवरी, 2019 से 10 जनवरी, 2019 तक स्वदेशी जागरण मंच व स्मृति विकास संस्थान द्वारा आयोजित किये गये स्वदेशी मेला मेक इन इण्डिया को बढ़ावा देने व स्वरोजगार सृजित करने की दिशा में माननीय कुलपति जी के प्राप्त निर्देशानुसार उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, देहरादून परिसर द्वारा विश्वविद्यालय का स्टॉल लगवाया गया। विश्वविद्यालय का प्रचार-प्रसार करने हेतु दूरस्थ शिक्षा पद्धति की पाठ्य सामग्री को स्टॉल में प्रदर्शित किया गया। स्वदेशी मेले का उद्घाटन माननीय शहरी विकास मंत्री श्री मदन कौशिक जी द्वारा किया गया। प्रदेश के कोने-कोने से लोगों ने इस मेले में प्रतिभाग किया।

हिन्दू नेशनल इन्टर कालेज, लक्ष्मण चौक, देहरादून में लगी स्टॉल।

छात्र-छात्राओं के साथ-साथ मेले में पधारे अन्य अतिथियों द्वारा स्टॉल का अवलोकन किया तथा प्रशंसा की। विश्वविद्यालय द्वारा लगाये गये स्टॉल के प्रति लोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और साथ ही साथ लोगों द्वारा यह सुझाव भी दिया गया कि विश्वविद्यालयके प्रचार-प्रसार हेतु ऐसे स्टॉल को लगाया जाना चाहिए जिससे दूरस्थ शिक्षा की जानकारी जन-जन तक पहुँच सके। मेले का समापन माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल जी द्वारा किया गया।

स्टॉल में जानकारी लेते विद्यार्थी एवं स्थानीय लोग।

सामाजिक सरोकार: विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्त भारत बनाने हेतु पहल

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायतशासी संस्थान राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान, नयी दिल्ली (National Institute of Social Defence, New Delhi) द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सहयोग से **"To prevent alcohol and drug abuse in the family, schools/college and community"** नामक विषय पर दिनांक 18/01/2019 से 19/01/2019 तक कार्यशाला का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के सभागार मे किया गया। दिनांक 18/01/2019 को कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ एल पी वर्मा, प्राचार्य बेरिनाग स्नातक महाविद्यालय एवं अध्यक्षता प्रो एच. पी. शुक्ला ने की। मुख्य अतिथि डॉ एल पी वर्मा ने अपने संबोधन में युवा पीढ़ी से अपेक्षा की कि वे अपनी ऊर्जा देश के विकास मे लगाये। मद्यपान एवं नशे से अपने को दूर करने का संदेश दिया, जिससे ऊर्जा सकारात्मक कार्यो मे लगी रहे। एम०बी०पी०जी० महाविद्यालय के एन०एस०एस० अधिकारी डॉ० एम०पी० सिंह ने प्रतिभागियों से नशे की जगह किताबों के ज्ञान में अपना समय व्यतीत करने का आव्हान किया | डॉ० ए०पी० सिंह द्वारा अपने संबोधन में कहा कि आज वर्तमान समय मे युवा उपेक्षा का शिकार होकर धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त मे जा रहा हैं। अतएव माता पिता को अपने युवा बच्चों के साथ अधिकाधिक समय व्यतीत करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे बच्चे नशे से दूर रहें |

विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भरत सिंह द्वारा प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत बनाने कि अपील करते हुए समाज की सुरक्षा हेतु युवाओं से नशा एवं शराब जैसी बुराइयों से स्वयं के साथ ही लोगों को भी दूर रहने की अपील की|

विद्याशाखा के निदेशक प्रो० एच०पी० शुक्ल ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे की लत से खोखला किये जाने पर चिंता व्यक्त की | साथ ही अपने उद्बोधन में युवा पीढ़ी को अपनी ऊर्जा सकारात्मक व रचनात्मक कार्यों में लगाने की अपील की जिससे नशे का दुष्प्रभाव उन पर ना पड़ सके | कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल

द्वारा शराब व नशे के द्वारा परिवार के विघटन पर चिंता व्यक्त की गई व समाज की क्षति के लिए नशे के दुष्प्रभाव को जिम्मेदार बताया गया।

विद्याशाखा के निदेशक प्रो० एच०पी० शुक्ल ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया| कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा वर्त्तमान में नशे के नए नए प्रकारों के बारे में और उनसे बचाव सम्बन्धी जानकारी दी और शराब बंदी पर हुए विभिन्न आन्दोलनों की जानकारी दी| समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए|

विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते प्रो0 एच0पी0 शुक्ल।

शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ० कल्पना पाटनी द्वारा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया | कार्यशाला में लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, हल्दुचौड़, एम०बी०पी०जी० महाविद्यालय, हल्द्वानी, मरियम कॉलेज के एन०एस०एस० के छात्र एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे|

विश्वविद्यालय द्वारा इसी विषय पर दिनांक 29/01/2019 को कार्यशाला का आयोजन कोटाबाग ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज के प्रांगण मे किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री एस एस रौतेला, सदस्य बीडीसी कोटाबाग श्री जोधा सिंह, ग्राम प्रधान कोटाबाग श्री नवीन छिमवाल, के अध्यक्ष पूरण चन्द्र बुडलाकोटि, मुख्य वक्ता डॉ निधी और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया|

कार्यशाला में प्रतिभाग करते राजकीय इंटर कॉलेज प्राचार्य एवं शिक्षकगण

श्री एस.एस. रोतेला ने अपने संबोधन कहा कि युवा पीढ़ी को मद्यपान एवं नशे के चुंगल से बचने की सलाह दी | मद्यपान एवं नशा शरीर के अंगो का नुकसान करता है साथ ही आदमी के आत्म सम्मान का भी नुकसान होता है | परिवार में कलह की शुरुआत होती है| युवाओं में ऊर्जा का स्रोत होता है, उनको अपनी ऊर्जा मद्यपान एवं नशे के विरोध और समाज को जागरूक करने में लगानी चाहिये| प्रतिभागियों से नशे की जगह

किताबों के ज्ञान में अपना समय व्यतीत करने का आव्हान किया | बीडीसी सदस्य कोटाबाग श्री जोधा सिंह ने अपने उद्बोधन में आज वर्तमान समय मे युवा उपेक्षा का शिकार होकर धीरे-धीरे नशे की गिरफ्त मे जा रहा हैं। नशे में लिप्त व्यक्ति को समाज और परिवार के लिए दुखदायी बताया और वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया| ग्राम प्रधान कोटाबाग श्री नवीन छिमवाल ने वर्तमान पीढ़ी को शराब व नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया | कार्यशाला संयोजक डॉ० सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा अपने उद्बोधन में मद्यपान एवं नशा के बढते प्रभाव पर रोक लगाने की आवश्यकता पर बल दिया , युवाओं को नशे की गिरफ्त में ना फंसने की सलाह देते हुए राष्ट्र निर्माण में सहयोग करने की बात कही इसके अतिरिक्त वर्त्तमान में नशे के नए नए प्रकारों के बारे में और उनसे बचाव सम्बन्धी जानकारी दी और शराब बंदी पर हुए विभिन्न आन्दोलनों की जानकारी दी |

समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए| डॉ०विवेक पाण्डेय द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया| कार्यशाला में कोटाबाग क्षेत्र के आदर्श राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के छात्र एवं छात्राये सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाये आदि उपस्थित रहे |

कार्यशाला में प्रतिभाग करते राजकीय इंटर कॉलेज, कोटाबाग के विद्यार्थीगण

कार्यशाला से संबंन्धित विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। (संलग्नक-क)

प्रवेश

विश्वविद्यालय में दिनांक 01 जनवरी, 2019 से शीतकालीन सत्र 2019-19 में सेमेस्टर पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ किये गये है। दिनांक 31/1/2019 तक कुल 800 प्रवेशार्थियों ने प्रवेश लिया है।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन सामग्री प्रेषित की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2018–19 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (2018-19-Summer)

Total Students	45304
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	7976
12 Roorkee	4996
14 Pauri	1686
15 Uttar Kashi	1030
16 Haldwani	8825
17 Ranikhet	3976
18 Pithoragarh	1702
19 Bageshwar	1720
Books Packed/Dispatched For	31911

व्याख्यान

लोकतंत्र और मीडिया

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा लोकतंत्र और मीडिया विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय जन संचार संस्थान दिल्ली के प्रोफेसर आनंद प्रधान द्वारा समाज में आर्थिक गैर बराबरी हो वहां एक निष्पक्ष मीडिया की उम्मीद बेमानी कहा गया। प्रो0 प्रधान ने ऑक्सफेम की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि दुनिया के चार देशों ब्राजील, टर्की, जाम्बिया और भारत में आर्थिक गैप में बहुत बड़ी खाई बन गई है। यहां टॉप के नौ लोगों की कुल संपत्ति देश के 52 फीसद लोगों की संपत्ति के बराबर है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों से समाज आगे बढ़ने के बजाय पिछड़े मूल्यों को अपना रहा है। इसकी परिघटना के रूप में मॉब लीचिंग, एंटी रोमिया स्कॉवड, सामंती ताकतों का उभरना है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष मीडिया को लेकर अब आम लोग आगे आने लगे हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ भूपेन सिंह, सहायक प्रध्यापक, पत्रकारिता द्वारा किया गया।

विज्ञान एवं साहित्य पर व्याख्यान

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन कालेज और विश्वविद्यालय के हैलो हल्द्वानी सामुदायिक रेडियो केन्द्र की पहल पर 'विज्ञान और साहित्य' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें देश के जाने माने विज्ञान लेखक देवेन्द्र मेवाड़ी ने कहा कि साहित्यकारों को विज्ञान को साहित्य के साथ जोड़कर लेखन करना चाहिए।

स्वास्थ्य, दवा और बाजार, आपकी सेहत किसके हाथ

पत्रकारिता और मीडिया अध्ययन विद्याशाखा, 'हैलो हल्द्वानी' सामुदायिक रेडियो केंद्र की ओर से स्वास्थ्य, दवा और बाजार, आपकी सेहत किसके हाथ विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ0 एके अरूण ने कहा कि आज के दौर में सभी को स्वास्थ्य का डर सता रहा हैं। बढ़ती बीमारियां भी मुनाफा कमाने का उद्योग बन गई है। कहा कि सस्ती दवाइयां बाजार में कई सौ गुना दामों पर बिक रही हैं। कहा कि इसके प्रति समाज को जागरूक करने की जरूरत है।

उन्होंने टीवी, पोलियो, पोलियो, एड्स, मलेरिया, डेंगू, स्वाइन फलू जैसी बीमारियों का जिक्र करते हुए कहा कि इन सब से बचने के लिए सरकार अरबों रूपये खर्च तो कर रही है लेकिन इनके प्रति जागरूकता पर ध्यान नही दे पा रही है। लोगों को जागरूक किया जाना आवश्यक है जब तक लोग जागरूक नहीं होंगे तब तक स्वास्थ्य जैसी दिक्कतों से बना नहीं जा सकता।

प्रवेश

विश्वविद्यालय में दिनांक 01 जनवरी, 2019 से शीतकालीन सत्र 2019-19 में सेमेस्टर पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश प्रारंभ किये गये है। दिनांक 31/1/2019 तक कुल 800 प्रवेशार्थियों ने प्रवेश लिया है।

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा दिनांक 04 जनवरी, 2019 को सम्पन्न हो चुकी है। उक्त सम्पादित परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाएं विश्वविद्यालय में प्राप्त हो गई है तथा छटनी कर मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया जा चुका है।

जनवरी माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 60 मूल उपाधियॉ, 81 अन्तरिम उपाधियॉ/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

योग कार्यषालाऐं

विश्वविद्यालय में योग विभाग द्वारा जनवरी माह में योग विषय की 10 दिवसीय कार्यशालायें निम्नानुसार सम्पन्न की गयी

दिनांक 23 जनवरी 2019 से 1 फरवरी 2019 तक एम0 ए0 योग प्रथम वर्ष (MAY-17) की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे 65 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

हरिद्वार में आयोजित योग कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

दिनांक 23 जनवरी 2019 से 1 फरवरी 2019 तक योग विज्ञान डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष (DYS/ BA 1st year) की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे 429 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 23 जनवरी 2019 से 1 फरवरी 2019 तक बी0 ए0 योग द्वितीय वर्ष की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे 87 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उपर्युक्त कार्यशालाओं में देश के विविध राज्यों से आयें विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विविध अध्ययन केन्द्रों के महिला एवं पुरूष शिक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का शुभारम्भ दिनांक 23 जनवरी 2019 को वेद निकेतन धाम, हरिद्वार में किया गया। उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के सहायक योग प्रशिक्षक श्री यशवन्त के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशा- निर्देश में प्रात:काल कुल 15 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म, सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया। सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग-अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला। जिसमें डा0 अमृत लाल गुरूवेंद्र, एसो0 प्रोफेसर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, निसर्गाचार्य डी0 एन0 शर्मा, डा0 मलिक आर0 प्रताप योग विभाग राज0 एम0 बी0पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी, ममता पंत योग विभाग राज0 एम0 बी0पी0 जी0 कालेज, हल्द्वानी, प्रोफेसर सुरेश वर्णवाल देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज गुरूकुल काग विश्वविद्यालय , हरिद्वार ,डा0 विजय सिह देवसंस्कृति विष्वविद्यालय, हरिद्वार, डा0 कामता साहू देवसंस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार, डा0 गोविन्द मिश्र पतंजलि विश्वविद्यालय, योग गुरू डा0 सुरक्षित गोस्वामी के अलावा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम

संयोजक योग विभाग डा0 भानु प्रकाश जोशी ने समय –समय पर अपने पाठ्यक्रम से सम्बनिधत अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। कार्यशाला के दौरान कार्यशाला स्थल में 26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया।

<u>जनवरी माह में हैलो हल्द्वानी से प्रसारित कार्यक्रम</u>

1- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- विजय राव (बिजनेसमैन), वार्ताकार- भूपेन सिंह
वार्ता का विषय- उद्यमिता विकास

2- प्रोग्राम- मिसाल-बेमिसाल. अतिथि- कमल किशोर(सोशल वर्कर), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- पहाड़ में कोचिंग का माहौल

3- प्रोग्राम-चर्चा मे, अतिथि- दिनेश नाथ (आईआईटीयन), वार्ताकार- सुनीता भास्कर
वार्ता का विषय- न्यूकिल्यर एनर्जी

4- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- परमेश्वर नारायण शिवपुरी व डॉरिस, वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- आजादी के बाद का भारत और यहां का परिवेश

5- प्रोग्राम- कविता संसार, अतिथि- सुन्दर लाल मदन, कंचन पंत, मानसी पंत, कमल सुयाल, त्रिवेंद्र जोशी, भास्कर कवी, दिनेश ढली & किशोर मणि वार्ताकार- अनिल नैलवाल

6- प्रोग्राम-चर्चा में, अतिथि- थिया रॉलिंग(सोशल वर्कर, इंग्लैंड) वार्ताकार- दीपक जोशी
वार्ता का विषय- भारत और इंग्लैंड की संस्कृति

7- प्रोग्राम-लोक रंग, अतिथि- राजेश प्रसाद(एसिसटेंट प्रोफेसर) वार्ताकार-सुनीता भास्कर
वार्ता का विषय- पहाड़ की लोक संस्कृति

8- प्रोग्राम- लोक रंग, अतिथि- सुरेश विश्वकर्मा(शिक्षक)वार्ताकार- सुनीता भास्कर
वार्ता का विषय- कुमाऊंनी जागर

9- प्रोग्राम- लोक रंग, अतिथि- जौनसार के युवा, वार्ताकार-प्रेम पंचोली
वार्ता का विषय- जौनसार के गीतों मे लोक स्वर

10- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- चन्द्रशेखर जोशी (सीनियर अकाउंटेट पशुपालन विभाग), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- एकाउंटेट के कार्य व जिम्मेदारियां

11- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- एल पी जोशी(मैटेलिक इंजीनियर), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- भारत में आयल और मेटल की स्थिति व विकास

12- प्रोग्राम- मिसाल-बेमिसाल, अतिथि- बृजमोहन शर्मा, वार्ताकार- सुनीता भास्कर
वार्ता का विषय- विज्ञान के प्रयोगों पर बातचीत

13- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- एस के भट्ट, वार्ताकार- सुनीता भास्कर,

14- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- आनंद प्रधान(प्रोफेसर आईआईएमसी दिल्ली) वार्ता का विषय़- लोकतंत्र और मीडिया

15- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- हर्ष होभाल(प्रोफेसर), वार्ताकार- भूपेन सिहं
वार्ता का विषय- अंतराष्ट्रीय राजनीति

16- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- रोहित राठौर, वार्ताकार- दीपक जोशी
वार्ता का विषय- उत्तराखंड मे फिल्मों का स्कोप
17- प्रोग्राम- स्टूडेंट कार्नर, अतिथि- स्टूडेंट, वार्ताकार- दीपक जोशी
वार्ता का विषय- युवा पीढ़ी के सपने
18- प्रोग्राम- यंग हल्द्वानी, अतिथि- पवन वर्मा, वार्ताकार- दीपक जोशी
वार्ता का विषय- बॉडी बिल्डिंग की दुनिया और चुनौतियां
19- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- जनार्दन पंत, वार्ताकार- भूपेन सिंह
वार्ता का विषय- उत्तराखंड की राजनीति
20- प्रोग्राम- हैल्दी हल्द्वानी, अतिथि- दीपक जोशी, वार्ताकार- सुनीता भास्कर
वार्ता का विषय- कैंसर से बचाव
21- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- कमलेश, विजेन्द्र श्रीवास्तव, भट्ट(पत्रकार अमर उजाला)
वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- बदलते शहर की चुनौतियां
22- प्रोग्राम- चर्चा में, वार्ता चर्चा- सुनीता भास्कर एवं दीपक जोशी
वार्ता का विषय- सोशल मीडिया का समाज में प्रभाव
23- प्रोग्राम- दास्तां विद दीपक जोशी
एपिसोड पहला- यादें (सेंट जोसफ स्कूल से जुड़ी यादें)
24- दूसरा एपिसोड- सफर(कहानी)
25- तीसरा एपिसोड- वो शर्त (कहानी)
26- चौथा एपिसोड- वजूद (कहानी)
27- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, अतिथि- संजीवनी पाठक, वार्ताकार- दीपक जोशी
वार्ता का विषय- बच्चों की दिनचर्या
28- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- थिया रोलिंग (इंग्लैंड), वार्ताकार- दीपक जोशी
वार्ता का विषय- इग्लैंड वासी कैसे देखते हैं भारत को
29- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, वार्ताकार- विनीता पाठक एवं दीपक जोशी
वार्ता का विषय- विज्ञान क्या है।
30- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, वार्ताकार- विनीता पाठक एवं दीपक जोशी,
वार्ता का विषय- मानव शरीर और उसकी बनावट
31- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, अतिथि- देवेन मेवाड़ी (विज्ञान गल्पकार)वार्ताकार-विनीता पाठक एवं दीपक जोशी
32- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, अतिथि- आशुतोष उपाध्याय (विज्ञान प्रैक्टिसनर)
वार्ताकार- विनीता पाठक एवं दीपक जोशी
33- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, अतिथि- ए के अरुण (डाक्टर), वार्ताकार- विनीता पाठक एवं दीपक जोशी
34- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, अतिथि- डा. दुर्गेश पंत (डायरेक्टर यूसर्क), वार्ताकार- विनीता पाठक एवं दीपक जोशी

35- प्रोग्राम- विज्ञान की दुनिया, अतिथि- डा. वीर भारत सिंह (प्रो. पंतनगर विवि), वार्ताकार- विनीता पाठक व दीपक जोशी

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- ख)

अन्य गतिविधियाँ

- दिनांक 26 जनवरी 2018 को, देश का 70वां गणतन्त्र समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल द्वारा झण्डारोहण व सामूहिक राष्ट्रीय गान के उपरांत विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की आख्या प्रस्तुत की गई। समारोह विश्वविद्यालय के कार्मिकों हेतु क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।
- माह जनवरी, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ग)

****